खुड़ला भाजी

Baiga Literacy Team

Baiga

खुइला भाजी

Baiga Literacy Team

Baiga
India

http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/
आप इस काम का व्यावसायिक उपयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं । आप इस काम के अनुकूल कर सकते हैं और इसमें जोड़ सकते हैं। आपको लेखकों, चित्रकारों, आदि के लिए कॉपीराइट और आभार देना चाहिए।

रजनी नांव कर अक टुरी राहय। ओखर गांव रतनपुर म बिहाव होयके आईस। उंखर घर म बनेच किसम के भाजी राहय। रजनी उन भाजी ले देखके बेझा खुस होईस।

अक दिन ओखर आजी दादी कथैं,“बाई! तै आज हमर लाइक खुइला भाजी रांधके खवा।” तो रजनी हव कथै। अउर अपन मन म सोचथै,“पर मोय भाजी रांधेले नैको आय।

कस कस रांधहूँ अउर अपन आजी दादी ले खवाहूं।''
रजनी हिमत करिस अउर आजी दादी ले कथै,''आजी,
मोय खुइला भाजी रांधे ले नै आय। तै सिखो अउर
मै रांधहूं।''
तो आजी दादी कथै,''जा अउर बाड़ी ले भाजी आन
अउर ओ ले धो।'' रजनी ओसनेच करिस। फेर
आजी दादी कथै,''हांडी ले चूल्हा म मंडा अउर
जब हांडी तिप्फी तो भाजी ले भूंजबे।'' रजनी घला
ओसनेच करिस।

फेर आजी दादी कथै,“अब भूंजेहेर भाजी ले लैज अउर घाम म सुखा देबे।” रजनी घला ओ भाजी ले घाम म सुखवा दईस। ओ भाजी दुई दिन म भाजी सुखाय गईस। तो आजी दादी कथै,“अब तोर भाजी सुखाय गैहे, अब तै भाजी ले आन अउर रांध।” फेर रजनी भाजी ले आनिस अउर हांडी म तेल से भूंजिस। फेर भाजी डाल दईस अउर नून मिरचा डालके रांधिस।

आजी कथै,“बाई! खुइला भाजी ले असे नैको रांधैं। तै जा अउर कंडेरा म पानी धरके मंडाबे। ओ म खट्टो कर लाइक आमा धरबे। फेर अंधन आही तो खुइला भाजी ले ओर देबे। फेर नून डालके भाजी ले चूडन देबे।”
रजनी भाजी ले रांधिस अउर ओखर आजी खाईस।
आजी कथै,“नतनिन तै अछा रांधेहेस,
अछा मिठाईस।”

सवाल

1. रजनी ले काईन रांधेले नैको आवत राहय?
2. खुइला भाजी काईन होथै?
3. हई किसा ले काईन सिखे ले मिलथै?

Made with
Bloom®